निष्पादन बजट वर्ष 2013-14

विभाग- सहकारिता विभाग

विभागाध्यक्ष- आयुक्त (सहकारिता) एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं,छत्तीसगढ़

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	आयोजना राशियां 2013-14	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	वास्तविक उपलब्धियाँ		टिप्पणियां
					भौतिक	वित्तीय	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कृषक ऋण ब्याज दर युक्तियुक्त करण हेतु अनुदान	एक प्रतिशत ब्याज पर कृषकों को कृषि ऋण उपलब्ध कराने से बैंकों को होने वाली हानि की प्रतिपूर्ति हेतु सहायता ।	1000000	वर्ष 2012-13 में लगभग 950000 कृषकों को एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाया जावेगा ।	1041000 कृषक	979700	
2	छ.ग.राज्य सहकारी बैंक की अंशपूंजी में धनवेष्ठन	छ.ग.राजय सहकारी बैंक को अंशपूंजी के आधार पर सुदृढ़ करना	20000	एक राज्य सहकारी बैंक की अंशपूंजी को सुदृढ़ करने हेतु धनवेष्ठन ।	1 बैंक	20000	
3	केन्द्रीय सहकारी बैंकों की अंशपूंजी में धनवेष्ठन	केन्द्रीय सहकारी बैंकों को अंशपूंजी के आधार को सुदृढ़ करना ।	20000	चार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की अंशपूंजी को सुदृढ़ करने तथा बैंक के व्यवसाय में वृद्धि के उद्देश्य से धनवेष्ठन किया जाना है ।	3 बैंक	20000	
4	प्राथमिक कृषि साख/कृषक सेवा में बड़े पैमाने पर बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की अंशपूंजी में धनवेष्ठन	राज्य शासन द्वारा पैक्स/लैम्प्स की अंशपूंजी में वृद्धि करना	30000	कुल 600 प्राथमिक कृषि साख समितियों की अंशपूंजी में धनवेष्ठन के रूप में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने से उनकी ऋण ग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी ।	441 समितियां	30000	
5	सहकारी शक्कर कारखाना	शक्कर कारखाना को व्यवसाय हेतु कार्यशील पूंजी ऋण ।	450000	3 सहकारी शक्कर कारखाना को गन्ना पेराई हेतु कार्यशील पूंजी ऋण।	3 शक्कर कारखाना	360000	
6	विपणन सहकारी समितियों को गोदाम निर्माण हेतु आर्थिक सहायता/अनुदान एवं धनवेष्ठन	विपणन सहकारी समितियों को गोदामों के निर्माण हेतु अनुदान एवं धनवेष्ठन के रूप में सहायता प्रदान करना	7000	विपणन सहकारी समितियों की भण्डारण क्षमता में 1400 मे.टन की वृद्धि होगी ।	2 समितियां	3998	

निष्पादन बजट वर्ष 2013-14

विभाग- सहकारिता विभाग

विभागाध्यक्ष- आयुक्त (सहकारिता) एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं,छत्तीसगढ़

राशि हजार ₹ में

क्र.	योजना/कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य/परिणाम	आयोजना राशियां 2013-14	क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स	वास्तविक उपलब्धियाँ		टिप्पणियां
					भौतिक	वित्तीय	
1	2	3	4	5	6	7	8
7	राज्य/जिला सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैकों का सहकारी बैंको में विलय	इस योजना के अंतर्गत राज्य सहकारी विकास बैंक एवं 12 जिला सहकारी विकास बैंको का विलय राज्य सहकारी बैंक एवें जिला सहकारी बैको में किया जाना है । विलय किये जाने पर राज्य विकास बैंक एवं जिला विकास बैंक की एन.पी.ए. एवं हानि का प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किया जाना है।	750000	राज्य विकास बैंक एवं 12 जिला विकास बैंक का विलय राज्य सहकारी बैंक एवं 06 जिला केन्द्रीय बैंकों में किया जाना है ।	01 बैंक	545093	
8	प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय सहकारी समितियों में उन्नयन	आदिम जाति क्षेत्र में सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से कृषकों की आवश्यकता के अनुरूप उपभोक्ता सामग्री का विक्रय एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का व्यवसाय किया जावेगा ।	10000	आदिम जाति क्षेत्र की 10 सेवा सहकारी समितियों को अनुदान के रूप में आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जावेगी ।	10 समितियां	10000	